राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम

वाणिज्य संकाय

कार्यक्रम का नाम: UG0202 - चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक

बी. कॉम.

विषय – ई.ए.एफ.एम.

(एनईपी-2020 और च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के अनुसार पाठ्यक्रम)

शिक्षण का माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी

शैक्षणिक सत्र 2025-26

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

कार्यक्रम का नाम: UG0202 - चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक
बी. कॉम.

विश्वविद्यालय का नाम	**राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर**
संकाय का नाम	**वाणिज्य**
कार्यक्रम का नाम	**UG0202- बी. कॉम.**
विषय का नाम	**ई.ए.एफ.एम. (EAFM)**

क्रम संख्या	**विषय**	**पृष्ठ संख्या**
1.	कार्यक्रम की पूर्वापेक्षाएँ और परिणाम	2
2.	परीक्षा की योजना	3
3.	संपर्क घंटे	4
4.	निकास और प्रवेश नीति	4
5.	अक्षर ग्रेड और ग्रेड पॉइंट	5
6.	सेमेस्टर आधारित पेपर शीर्षक	5
7.	सेमेस्टर I से VI का विस्तृत पाठ्यक्रम (विषय- ई. ए. एफ. एम.)	6-17

कार्यक्रम की पूर्वापेक्षाएँ
सी.बी.एस.ई. (CBSE) या आर.बी.एस.ई. (RBSE), या किसी मान्यता प्राप्त शिक्षा बोर्ड से किसी भी स्ट्रीम में 12वीं कक्षा उत्तीर्ण।
कार्यक्रम के परिणाम (पीओ):
यह कार्यक्रम छात्रों को अर्थशास्त्र, बैंकिंग, वित्तीय प्रबंधन, भारतीय अर्थव्यवस्था, सार्वजनिक वित्त और व्यावसायिक बजटन में एक मजबूत आधार और विशेष ज्ञान प्रदान करने के लिए संरचित किया गया है। अर्थशास्त्र, बैंकिंग, वित्तीय प्रबंधन, भारतीय अर्थव्यवस्था, सार्वजनिक वित्त और व्यावसायिक बजटन जैसे पेपरों के माध्यम से छात्रों को वाणिज्य के विभिन्न विषयो की मूल अवधारणाओं की गहरी समझ विकसित होगी।

परीक्षा की योजना-

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

1 क्रेडिट = परीक्षा/मूल्यांकन के लिए 25 अंक

सतत मूल्यांकन, जिसमें सत्रीय कार्य और टर्मिनल परीक्षा अंतिम ग्रेड में योगदान देंगे। सेमेस्टर ग्रेड प्वाइंट औसत (एसजीपीए) में प्रत्येक पाठ्यक्रम के दो घटक हैं- सतत मूल्यांकन (20% वेटेज) और (सेमेस्टर परीक्षा का अंत) ईओएसई (80% वेटेज)।

1. सत्रीय कार्य में कक्षा परीक्षण, मध्य-सेमेस्टर परीक्षा, होमवर्क असाइनमेंट आदि शामिल होंगे, जैसा कि अध्ययन के पाठ्यक्रमों के प्रभारी संकाय द्वारा निर्धारित किया जाता है।

2. ईओएसई का प्रत्येक पेपर पाठ्यक्रम/विषय के कुल अंकों का 80% होगा। ईओएसई 3 घंटे की अवधि का होगा। प्रत्येक प्रश्न के बराबर अंक होंगे और इसके तीन भाग होंगे:-

- प्रश्न पत्र के भाग A में 2 अंक के 10 अतिलधुत्तरात्मक प्रश्न होंगे।
- प्रश्न–पत्र के भाग B में 4 लघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न होगा जो कि 10 अंक का होगा। जिनमें से कोई 2 प्रश्न हल करने होंगे।
- प्रश्न–पत्र के भाग C में 4 प्रश्न होंगे जिसमें प्रति इकाई में से एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ होगा तथा प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा।

प्रश्न पत्र के भाग	प्रश्न	अंक	कुल अंक
भाग A	10 अतिलधुत्तरात्मक प्रश्न	2	20
भाग B	4 लघुत्तरात्मक प्रश्न (प्रति इकाई में से एक प्रश्न जिनमें से कोई 2 प्रश्न हल करने होंगे)	10	20
भाग C	4 प्रश्न (प्रति इकाई में से एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ)	20	80
कुल अंक			120

3. ईओएसई में उपस्थित होने के लिए 75% उपस्थिति अनिवार्य है।

4. किसी कोर्स/विषय की ईओएसई परीक्षा में उपस्थित होने के लिए छात्र को मध्य सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित होना अनिवार्य है और कोर्स/विषय में कम से कम "सी" ग्रेड प्राप्त करनी होगी।

5. किसी कोर्स/विषय में क्रेडिट अंक केवल तभी दिए जाएंगे, जब छात्र किसी कोर्स/विषय की मिडटर्म और ईओएसई परीक्षा में कम से कम सी ग्रेड प्राप्त करता है।

संपर्क घंटे - प्रति सेमेस्टर 15 सप्ताह

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एल – व्याख्यान	(1 क्रेडिट = 1 घंटा/सप्ताह)
टी – ट्यूटोरियल	(1 क्रेडिट = 1 घंटा/सप्ताह)
एस – सेमिनार	(1 क्रेडिट = 2 घंटे/सप्ताह)
पी – प्रैक्टिकल	(1 क्रेडिट = 2 घंटे/सप्ताह)
एफ – फील्ड प्रैक्टिस/प्रोजेक्ट्स	(1 क्रेडिट = 2 घंटे/सप्ताह)
एसए – स्टूडियो गतिविधियाँ	(1 क्रेडिट = 2 घंटे/सप्ताह)
आई – इंटर्नशिप	(1 क्रेडिट = 2 घंटे/सप्ताह)
सी – सामुदायिक जुड़ाव और सेवा	(1 क्रेडिट = 2 घंटे/सप्ताह)

निकास और प्रवेश नीति

1. जो छात्र पहले वर्ष के पूरा होने के बाद कोर्स छोडने का विकल्प चुनते हैं और 48 क्रेडिट प्राप्त करते हैं, उन्हें यूजी सर्टिफिकेट दिया जाएगा, बशर्ते कि, वे पहले वर्ष की गर्मियों की छुट्टियों के दौरान 4 क्रेडिट की एक इंटर्नशिप पूरी करते हैं। इन छात्रों को तीन साल के भीतर डिग्री प्रोग्राम में फिर से प्रवेश करने और सात साल की निर्धारित अधिकतम अवधि के भीतर डिग्री प्रोग्राम पूरा करने की अनुमति है।

2. जो छात्र दूसरे वर्ष की पढ़ाई पूरी करने के बाद कोर्स छोडने का विकल्प चुनते हैं और 96 क्रेडिट हासिल कर लेते हैं, उन्हें यूजी डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा, बशर्ते कि वे दूसरे वर्ष की गर्मियों की छुट्टियों के दौरान 4 क्रेडिट की एक इंटर्नशिप भी पूरी कर लें। तीन वर्ष की अवधि के भीतर पुनः प्रवेश करने तथा अधिकतम सात वर्ष की अवधि के भीतर डिग्री कार्यक्रम पूरा करने की अनुमति होगी।

3. जो छात्र 3 वर्षीय यूजी कार्यक्रम करना चाहते हैं, उन्हें तीन वर्ष सफलतापूर्वक पूरा करने, 150 क्रेडिट प्राप्त करने तथा न्यूनतम क्रेडिट आवश्यकता को पूरा करने के पश्चात प्रमुख विषय में यूजी डिग्री प्रदान की जाएगी।

4. प्रमुख विषय में चार वर्षीय यूजी ऑनर्स डिग्री उन छात्रों को प्रदान की जाएगी, जिन्होंने 200 क्रेडिट के साथ चार वर्षीय डिग्री कार्यक्रम पूरा किया है तथा न्यूनतम क्रेडिट आवश्यकता को पूरा किया है।

5. जो छात्र पहले छह सेमेस्टर में 75% या उससे अधिक अंक प्राप्त करते हैं तथा स्नातक स्तर पर शोध करना चाहते हैं, वे चौथे वर्ष में शोध स्ट्रीम चुन सकते हैं। उन्हें विश्वविद्यालय/कॉलेज के किसी संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में शोध परियोजना या शोध प्रबंध करना होगा। शोध परियोजना/शोध प्रबंध प्रमुख विषय में होगा। जो छात्र शोध परियोजना/शोध प्रबंध से 12 क्रेडिट सहित 200 क्रेडिट प्राप्त करते हैं, उन्हें यूजी डिग्री (शोध के साथ ऑनर्स) प्रदान की जायेगी |

अक्षर ग्रेड और ग्रेड पॉइंट

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

अक्षर ग्रेड	ग्रेड पॉइंट	अंक रेंज (%)
O (उत्कृष्ट)	10	91 – 100
A+ (उत्कृष्ट)	9	81 – 90
A (बहुत अच्छा)	8	71 – 80
B+ (अच्छा)	7	61 – 70
B (औसत से ऊपर)	6	51 – 60
C (औसत)	5	40 – 50
P (पास)	4	
F (फेल)	0	
Ab (अनुपस्थित)	0	

सेमेस्टर आधारित पेपर शीर्षक

कार्यक्रम का नाम: UG0202 - चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक								
				UG0202 - बी.कॉम.	क्रेडिट			
क्र. सं.	स्तर	सेमेस्टर	प्रकार	शीर्षक	L	T	P	कुल
1	5	I	एम.जे.आर	यूजी0202-ईएफएम-51टी-101- व्यावसायिक अर्थशास्त्र	6	0	0	6
2	5	II	एम.जे.आर	यूजी0202-ईएफएम-52टी-102-भारतीय बैंकिंग और वित्तीय प्रणाली	6	0	0	6
3	6	III	एम.जे.आर	यूजी0202-ईएफएम-63टी-201- वित्तीय प्रबंधन	6	0	0	6
4	6	IV	एम.जे.आर	यूजी0202-ईएफएम-64टी-202- भारतीय अर्थव्यवस्था	6	0	0	6
5	7	V	एम.जे.आर	यूजी0202-ईएफएम-75टी-301- व्यावसायिक बजटन	6	0	0	6
6	7	VI	एम.जे.आर	यूजी0202-ईएफएम-76टी-302- राजस्थान की अर्थव्यवस्था	6	0	0	6

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

सेमेस्टर-I – ई.ए.एफ.एम (2025-26)

प्रकार	पेपर कोड और नामकरण	परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक (मिडटर्म + EoSE)	न्यूनतम अंक (मिडटर्म + EoSE)
थ्योरी	UG0202-EFM-51T-101 व्यावसायिक अर्थशास्त्र	मिडटर्म -1 घंटा EoSE -3 घंटे	मिडटर्म -30 अंक EoSE -120 अंक	मिडटर्म -12 अंक EoSE - 48 अंक

कार्यक्रम का नाम: चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक
पाठ्यक्रम का शीर्षक: व्यावसायिक अर्थशास्त्र
पेपर कोड:UG0202-EFM-51T-101
सेमेस्टर: I

<table>
<tr><th>सेमेस्टर</th><th colspan="2">पाठ्यक्रम का कोड</th><th colspan="2">पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक</th><th>NHEQF स्तर</th><th>क्रेडिट</th></tr>
<tr><td>I</td><td colspan="2">UG0202-EFM-51T-101</td><td colspan="2">व्यावसायिक अर्थशास्त्र</td><td>5</td><td>6</td></tr>
<tr><td>पाठ्यक्रम का स्तर</td><td colspan="2">पाठ्यक्रम का प्रकार</td><td colspan="4">पाठ्यक्रम का वितरण प्रकार</td></tr>
<tr><td>प्रारंभिक</td><td colspan="2">प्रमुख</td><td colspan="4">व्याख्यान, -प्रति सप्ताह छह घंटे, कुल नब्बे घंटे</td></tr>
<tr><td colspan="2">परीक्षा की अवधि</td><td colspan="3">अधिकतम अंक</td><td colspan="2">न्यूनतम अंक</td></tr>
<tr><td colspan="2">मिडटर्म -1 घंटा
EoSE -3 घंटे</td><td colspan="3">मिडटर्म-30 अंक
EoSE -120 अंक</td><td colspan="2">मिडटर्म -12 अंक
EoSE -48 अंक</td></tr>
</table>

विस्तृत पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को सूक्ष्म और स्थूल आर्थिक सिद्धांत में प्रयुक्त अवधारणाओं और तकनीकों से परिचित कराना और इस ज्ञान को उन्हें व्यावसायिक निर्णय लेने में लागू करने में सक्षम बनाना है।
2. व्यावसायिक अर्थशास्त्र का उद्देश्य छात्रों को उस व्यापक आर्थिक माहौल को समझने में मदद करना है जिसमें व्यवसाय संचालित होते हैं, जिसमें अर्थव्यवस्था के समग्र प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले व्यापक आर्थिक कारक भी शामिल हैं।

इकाई-I

व्यावसायिक अर्थशास्त्र- अर्थ, प्रकृति और क्षेत्र, व्यवसाय में व्यवसाय अर्थशास्त्री की भूमिका।
अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याएँ. सूक्ष्म अर्थशास्त्र और समष्टि अर्थशास्त्र: अवधारणा और क्षेत्र। सूक्ष्म एवं स्थूल अर्थशास्त्र की भूमिका।
उपयोगिता विश्लेषण: गणनावाचक (कार्डिनल) और क्रमवाचक (ऑर्डिनल) दृष्टिकोण, घटती सीमांत उपयोगिता का नियम और सम-सीमांत उपयोगिता का नियम, उपभोक्ता का अधिशेष।

इकाई -II

उदासीनता वक्र-अर्थ, विशेषताएँ और उपभोक्ता का संतुलन। मांग और मांग का नियम, मांग की लोच, मांग का पूर्वानुमान। आपूर्ति और आपूर्ति का नियम, आपूर्ति की लोच। राजस्व और लागत विश्लेषण।

इकाई-III

उत्पादन फलन, प्रतिफल के नियम, आइसोक्वेंट वक्र, पैमाने के प्रतिफल। पैमाने की अर्थव्यवस्थाएँ और विसंगतियाँ। मूल्य निर्धारण का सामान्य सिद्धांत; मूल्य निर्धारण में समय तत्व की भूमिका।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

बाजार विश्लेषण: परिभाषा और वर्गीकरण; पूर्ण प्रतियोगिता, एकाधिकार, विभेदात्मक एकाधिकार, अपूर्ण प्रतियोगिता और अल्पाधिकार के तहत मूल्य और उत्पादन निर्धारण।

इकाई IV

वितरण का सीमांत उत्पादकता सिद्धांत। वेतन, किराया, ब्याज और लाभ के सिद्धांत।
राष्ट्रीय आय- परिभाषा, माप और आर्थिक कल्याण।
व्यापार चक्र-सिद्धांत और चरण।

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

1. डी.एम. मिठानी: बिजनेस और प्रबंधकीय अर्थशास्त्र के बुनियादी सिद्धांत, हिमालय पब्लिशिंग हाउस।
2. मोटे, पॉल और गुप्ता: प्रबंधकीय अर्थशास्त्र, टाटा मैकग्रा हिल, नई दिल्ली।
3. आहूजा, एच.एल.: प्रबंधकीय अर्थशास्त्र, एस. चंद एंड कंपनी लिमिटेड, नई दिल्ली।
4. बी.पी. गुप्ता: व्यावसायिक अर्थशास्त्र (हिन्दी), मलिक एंड कंपनी, जयपुर।
5. अग्रवाल और अग्रवाल: व्यावसायिक अर्थशास्त्र, (हिन्दी) रमेश बुक डिपो., जयपुर।
6. एम. डी. अग्रवाल और सोम देव: बिजनेस इकोनॉमिक्स, रमेश बुक डिपो, जयपुर।
7. द्विवेदी डी.एन., प्रबंधकीय अर्थशास्त्र, विकास प्रकाशन, दिल्ली।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम:

1. छात्र व्यावसायिक अर्थशास्त्र के अर्थ, प्रकृति, और क्षेत्र की गहन समझ प्राप्त करेंगे, और व्यवसाय में अर्थशास्त्री की भूमिका का विश्लेषण कर सकेंगे।
2. छात्र अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याओं की पहचान कर, सूक्ष्म अर्थशास्त्र और समष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांतों का उपयोग करके इन समस्याओं के समाधान का अध्ययन कर सकेंगे।
3. छात्र उपयोगिता विश्लेषण के गणनावाचक (कार्डिनल) और क्रमवाचक (ऑर्डिनल) दृष्टिकोण, घटती सीमांत उपयोगिता का नियम, और सम-सीमांत उपयोगिता का नियम समझ सकेंगे, साथ ही उपभोक्ता अधिशेष की गणना कर सकेंगे।
4. छात्र उदासीनता वक्र, मांग और आपूर्ति के नियमों, तथा मांग और आपूर्ति की लोच का विश्लेषण कर सकेंगे, और व्यावहारिक पूर्वानुमान के लिए इनका उपयोग कर सकेंगे।
5. छात्र उत्पादन फलन, प्रतिफल के नियम, पैमाने की अर्थव्यवस्थाएँ, और मूल्य निर्धारण के सामान्य सिद्धांत का अध्ययन कर विभिन्न बाजार परिस्थितियों में राजस्व और लागत का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

पाठ्यक्रम: UG0202-बी. कॉम.

सेमेस्टर-II ई.ए.एफ.एम - (2025-26)

प्रकार	पेपर कोड और नामकरण	परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक (मिडटर्म + EoSE)	न्यूनतम अंक (मिडटर्म + EoSE)
थ्योरी	UG0202-EFM-52T-102 भारतीय बैंकिंग और वित्तीय प्रणाली	मिडटर्म-1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म-12 अंक EoSE-48 अंक

कार्यक्रम का नाम: चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक
पाठ्यक्रम का शीर्षक: भारतीय बैंकिंग और वित्तीय प्रणाली
पेपर कोड: UG0202-EFM-52T-102
सेमेस्टर- II

<table>
<tr><th>सेमेस्टर</th><th colspan="2">पाठ्यक्रम का कोड</th><th colspan="2">पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक</th><th>NHEQF स्तर</th><th>क्रेडिट</th></tr>
<tr><td>II</td><td colspan="2">UG0202-EFM-52T-102</td><td colspan="2">भारतीय बैंकिंग और वित्तीय प्रणाली</td><td>5</td><td>6</td></tr>
<tr><th>पाठ्यक्रम का स्तर</th><th colspan="2">पाठ्यक्रम का प्रकार</th><th colspan="4">पाठ्यक्रम का वितरण प्रकार</th></tr>
<tr><td>प्रारंभिक</td><td colspan="2">प्रमुख</td><td colspan="4">व्याख्यान -प्रति सप्ताह छह घंटे, कुल नब्बे घंटे</td></tr>
<tr><th colspan="2">परीक्षा की अवधि</th><th colspan="2">अधिकतम अंक</th><th colspan="3">न्यूनतम अंक</th></tr>
<tr><td colspan="2">मिडटर्म -1 घंटा
EoSE-3 घंटे</td><td colspan="2">मिडटर्म-30 अंक
EoSE-120 अंक</td><td colspan="3">मिडटर्म -12 अंक
EoSE-48 अंक</td></tr>
</table>

विस्तृत पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. छात्रों को भारत में प्रमुख वित्तीय सेवाओं से परिचित कराने के लिए भारतीय बैंकिंग, वित्तीय प्रणाली और वित्तीय संस्थानों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना।
2. भारतीय वित्तीय प्रणाली और इसके विभिन्न घटकों की व्यापक समझ प्रदान करना, ताकि शिक्षार्थी वित्तीय मामलों के बारे में सूचित निर्णय ले सकें और वित्तीय क्षेत्र में करियर भी बना सकें।

इकाई-I

बैंक - वाणिज्यिक बैंकों का अर्थ, प्रकार और कार्य, आर्थिक विकास में बैंकों की भूमिका। भारतीय रिज़र्व बैंक: भूमिका और कार्य, साख नियंत्रण की तकनीकें। साख निर्माण: साख निर्माण का अर्थ, प्रक्रिया, सीमा।
बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 और भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 के मुख्य प्रावधान।

इकाई-II

सार्वभौमिक और रचनात्मक बैंकिंग: अर्थ, महत्व और विशेषताएं। बैंकिंग के चैनल: एटीएम, इंटरनेट, मोबाइल फोन बैंकिंग, पीओएस (प्वाइंट ऑफ सेल), यूपीआई। बैंकों का ई-भुगतान तंत्र- प्लास्टिक कार्ड, एनईएफटी, आरटीजीएस, आईएमपीएस, स्विफ्ट, ईसीएस, भुगतान वॉलेट।
बैंकर और ग्राहक के बीच संबंध: सामान्य और विशेष (बैंकर के अधिकार और दायित्व), कुर्की आदेश।
परक्राम्य प्रपत्र - चेक, विनिमय बिल, प्रॉमिसरी नोट और डिमांड ड्राफ्ट।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

इकाई-III

भारतीय वित्तीय प्रणाली: भारतीय वित्तीय प्रणाली में अर्थ, कार्य, घटक और प्रमुख मुद्दे।

वित्तीय सेवाएँ: मर्चेंट बैंकिंग, म्यूचुअल फंड, लीजिंग, किराया खरीद, उद्यम पूंजी, क्रेडिट रेटिंग। बिटकॉइन, ब्लॉकचेन और क्रिप्टो करेंसी का परिचय।

एनपीए: अर्थ, एनपीए के कारण, बैंकिंग क्षेत्र पर एनपीए का प्रभाव। भारत के वित्तीय क्षेत्र में सुधार।

इकाई IV

वित्तीय बाज़ार: मुद्रा बाज़ार, पूंजी बाज़ार, बिल बाज़ार, विदेशी मुद्रा बाज़ार और ऋण बाज़ार। पूंजी और मुद्रा बाजार के नियमन में सेबी और आरबीआई की भूमिका, वित्तीय साधन।

वित्तीय संस्थान: विकास वित्तीय संस्थानों का अवलोकन-आईएफसीआई, सिडबी, आईसीआईसीआई, आईआरसीआई, आईडीबीआई।

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

1. वसंत देसाई: भारतीय बैंकिंग प्रकृति और समस्याएं, हिमालय पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. नटराजन एस, परमेश्वरन आर: "इंडियन बैंकिंग", एस. चंद एंड कंपनी लिमिटेड, नई दिल्ली।
3. एवरबैक, रॉबर्ट डी; मुद्रा, बैंकिंग और वित्तीय बाजार, मैकमिलन, लंदन।
4. वार्ष्णेय, पी.एन.: इंडियन फाइनेंशियल सिस्टम, सुल्तान, चंद एंड संस, नई दिल्ली।
5. खान, एम.वाई.: इंडियन फाइनेंशियल सिस्टम, टाटा मैकग्रा हिल, दिल्ली।
6. भोले एल.एम.: वित्तीय बाजार और संस्थान, टाटा मैकग्रा हिल, दिल्ली।
7. जे.के. टंडन और टी.एन. माथुर - बैंकिंग और वित्त, शिवम बुक हाउस (पी) लिमिटेड, जयपुर (हिंदी और अंग्रेजी संस्करण)
8. वशिष्ठ, स्वामी, गुप्ता: बैंकिंग और वित्त, रमेश बुक डिपो, जयपुर।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम:

1. छात्र भारतीय वित्तीय क्षेत्र के नियामक ढांचे और आरबीआई, सेबी आदि जैसे नियामक निकायों द्वारा निभाई गई भूमिका से अवगत होंगे।
2. छात्र भारतीय वित्तीय क्षेत्र में हाल के विकास जैसे डिजिटल बैंकिंग, इनोवेटिव बैंकिंग और इस क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियों जैसे एनपीए और साइबर खतरों की समझ हासिल करेंगे।
3. भारतीय बैंकिंग और वित्तीय प्रणाली का अध्ययन छात्रों को भारत के वित्तीय क्षेत्र की गहरी समझ प्रदान करेगा। यह ज्ञान न केवल उन्हें सूचित वित्तीय निर्णय लेने में सहायता करेगा बल्कि वित्तीय उद्योग के भीतर कैरियर के अवसर भी खोलेगा।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

पाठ्यक्रम: UG0202-बी. कॉम.
सेमेस्टर-III ई.ए.एफ.एम - (2025-26)

प्रकार	पेपर कोड और नामकरण	परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक (मिडटर्म + EoSE)	न्यूनतम अंक (मिडटर्म + EoSE)
थ्योरी	UG0202-EFM-63T-201- वित्तीय प्रबंध	मिडटर्म-1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म-12 अंक EoSE-48 अंक

कार्यक्रम का नाम: चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक
पाठ्यक्रम का शीर्षक: वित्तीय प्रबंध
पेपर कोड: UG0202-EFM-63T-201
सेमेस्टर- III

<table>
<tr><th>सेमेस्टर</th><th colspan="2">पाठ्यक्रम का कोड</th><th colspan="2">पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक</th><th>NHEQF स्तर</th><th>क्रेडिट</th></tr>
<tr><td>II</td><td colspan="2">UG0202-EFM-63T-201</td><td colspan="2">वित्तीय प्रबंध</td><td>6</td><td>6</td></tr>
<tr><td>पाठ्यक्रम का स्तर</td><td colspan="2">पाठ्यक्रम का प्रकार</td><td colspan="4">पाठ्यक्रम का वितरण प्रकार</td></tr>
<tr><td>प्रारंभिक</td><td colspan="2">प्रमुख</td><td colspan="4">व्याख्यान, -प्रति सप्ताह छह घंटे, कुल नब्बे घंटे</td></tr>
<tr><td colspan="2">परीक्षा की अवधि</td><td colspan="2">अधिकतम अंक</td><td colspan="3">न्यूनतम अंक</td></tr>
<tr><td colspan="2">मिडटर्म -1 घंटा
EoSE-3 घंटे</td><td colspan="2">मिडटर्म-30 अंक
EoSE-120 अंक</td><td colspan="3">मिडटर्म -12 अंक
EoSE-48 अंक</td></tr>
</table>

विस्तृत पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. छात्रों को वित्तीय प्रबंध के मौलिक सिद्धांतों और प्रथाओं से परिचित कराना।
2. छात्रों द्वारा वित्तीय डेटा का विश्लेषण करना, निवेश के अवसरों का मूल्यांकन करना और वित्तीय उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए रणनीतियों और तकनीकों को डिजाइन करना सिखाना।

इकाई-I

वित्तीय प्रबंध: अर्थ, क्षेत्र, महत्व और सीमाएँ।
वित्तीय योजना: उद्देश्य, महत्व और वित्तीय योजना को प्रभावित करने वाले कारक।
वित्तीय विवरणों का विश्लेषण - आय विवरण और चिट्ठा, वित्तीय विश्लेषण की तकनीक।
अनुपात विश्लेषण: अनुपात का अर्थ और वर्गीकरण- तरलता अनुपात, क्रियात्मक अनुपात, लाभप्रदता अनुपात और पूंजी संरचना अनुपात।

इकाई - II

कार्यशील पूंजी प्रबंध: अवधारणा और महत्व, कार्यशील पूंजी के निर्धारक और अनुमान, पर्याप्त कार्यशील पूंजी: गुण और दोष।
सामग्री का प्रबंध: इन्वेंटरी नियंत्रण का अर्थ, महत्व, तकनीक। नकदी, प्राप्य और विपणन योग्य प्रतिभूतियों का प्रबंधन।
वित्त के स्रोत: अल्पकालिक और दीर्घकालिक, मुद्रा का समय मूल्य।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

इकाई - III

पूंजी संरचना और पूंजीकरण: अर्थ, अवधारणा, पूंजी संरचना और पूंजीकरण के बीच अंतर, पूंजी संरचना को प्रभावित करने वाले कारक अनुकूलतम पूंजी संरचना और पूंजी संरचना के सिद्धांत। उत्तोलक : परिचालन, वित्तीय और संयुक्त उत्तोलक।

पूंजी की लागत: महत्व, ऋण निधि की लागत की गणना, अधिमान अंश पूंजी, समता अंश पूंजी, प्रतिधारित आय और पूंजी की भारित औसत लागत।

इकाई IV

पूंजी बजटन : पूंजी बजटन का अर्थ, महत्व, सीमा, प्रक्रिया और तकनीक।

लाभांश और लाभांश नीति: अर्थ, लाभांश के रूप, लाभांश के सिद्धांत, लाभांश नीतियों को प्रभावित करने वाले कारक।

नोट: उम्मीदवार को बैटरी संचालित पॉकेट कैलकुलेटर का उपयोग करने की अनुमति दी जाएगी जिसमें 12 अंक, 6 फ़ंक्शन और 2 मेमोरी से अधिक नहीं होना चाहिए और शोर रहित और ताररहित होना चाहिए।

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

1. एम.आर. अग्रवाल, "वित्तीय प्रबंधन", गरिमा प्रकाशन, नेहरू बाज़ार, जयपुर
2. अग्रवाल और अग्रवाल, "वित्तीय प्रबंधन के तत्व" रमेश पुस्तक डिपो प्रकाशन, जयपुर।
3. भल्ला, वी.के., "वित्तीय प्रबंधन और नीति," (अनमोल प्रकाशन, दिल्ली)।
4. चंद्रा, पी., "वित्तीय प्रबंधन- सिद्धांत और व्यवहार", (टाटा मैकग्रा हिल)।
5. रुस्तगी, "फंडामेंटल्स ऑफ फाइनेंशियल मैनेजमेंट", (गलगोटिया पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
6. खान एम.वाई., भारतीय वित्तीय प्रबंधन, टाटा मैकग्रा हिल, भारत।
7. माहेश्वरी एस.एन., वित्तीय प्रबंधन, सुल्तान चंद एंड संस, नई दिल्ली।
8. हॉर्न, जे.सी. वैन., "फंडामेंटल्स ऑफ फाइनेंशियल मैनेजमेंट", 9वां संस्करण। (नई दिल्ली प्रेंटिस हॉल ऑफ इंडिया 1995)।
9. खान और जैन, "वित्तीय प्रबंधन पाठ और समस्याएं", दूसरा संस्करण। (टाटा मैकग्रा हिल नई दिल्ली 1992)।
10. पांडे, आई.एम., "वित्तीय प्रबंधन", विकास प्रकाशन।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम:

1. छात्रों को वित्त की जटिल दुनिया में मार्गदर्शित करना और व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों रूप से अच्छे वित्तीय निर्णय लेने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और मानसिकता से सज्जित किया जाएगा।

2. वित्तीय प्रबंधन का ज्ञान करियर के विभिन्न अवसर खोलेगा। वित्तीय प्रबंधन में मजबूत आधार वाले व्यक्ति वित्त, लेखांकन, निवेश बैंकिंग, वित्तीय विश्लेषण, वित्तीय परामर्श या कॉर्पोरेट वित्त में करियर बना सकते हैं।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

पाठ्यक्रम: UG0202-बी. कॉम.

सेमेस्टर-IV ई.ए.एफ.एम - (2025-26)

प्रकार	पेपर कोड और नामकरण	परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक (मिडटर्म + EoSE)	न्यूनतम अंक (मिडटर्म + EoSE)
थ्योरी	UG0202-EFM-64T-202-भारतीय अर्थव्यवस्था	मिडटर्म-1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म-12 अंक EoSE-48 अंक

कार्यक्रम का नाम: चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक
पाठ्यक्रम का शीर्षक: भारतीय अर्थव्यवस्था
पेपर कोड: UG0202-EFM-64T-202
सेमेस्टर- IV

<table>
<tr><th colspan="2">सेमेस्टर</th><th colspan="2">पाठ्यक्रम का कोड</th><th>पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक</th><th>NHEQF स्तर</th><th>क्रेडिट</th></tr>
<tr><td colspan="2">IV</td><td colspan="2">UG0202-EFM-64T-202</td><td>भारतीय अर्थव्यवस्था</td><td>6</td><td>6</td></tr>
<tr><td colspan="2">पाठ्यक्रम का स्तर</td><td colspan="2">पाठ्यक्रम का प्रकार</td><td colspan="3">पाठ्यक्रम का वितरण प्रकार</td></tr>
<tr><td colspan="2">प्रारंभिक</td><td colspan="2">प्रमुख</td><td colspan="3">व्याख्यान -प्रति सप्ताह छह घंटे, कुल नब्बे घंटे</td></tr>
<tr><td colspan="3">परीक्षा की अवधि</td><td colspan="2">अधिकतम अंक</td><td colspan="2">न्यूनतम अंक</td></tr>
<tr><td colspan="3">मिडटर्म -1 घंटा
EoSE- 3 घंटे</td><td colspan="2">मिडटर्म-30 अंक
EoSE-120 अंक</td><td colspan="2">मिडटर्म -12 अंक
EoSE-48 अंक</td></tr>
</table>

विस्तृत पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. पेपर का उद्देश्य भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों को कवर करना है ताकि छात्रों को हमारी अर्थव्यवस्था की समस्याओं और उपलब्धियों से अवगत कराया जा सके।
2. छात्रों को आर्थिक नीतियों और विभिन्न क्षेत्रों और समाज पर उनके प्रभाव का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने में सक्षम बनाना।

इकाई-I

भारतीय अर्थव्यवस्था: भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषताएं, भारतीय अर्थव्यवस्था के अल्प विकास के कारण, आर्थिक विकास के निर्धारक, सतत विकास लक्ष्य, विकसित भारत 2047।
आर्थिक योजना: अर्थ, उद्देश्य और महत्व। नीति आयोग: उद्देश्य और कार्य।

इकाई II

भारत में जनसंख्या विस्फोट, बेरोजगारी, गरीबी और आर्थिक विषमताएँ।

इकाई-III

कृषि: भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की भूमिका, हरित क्रांति, फसल पैटर्न, कृषि का व्यावसायीकरण और न्यूनतम समर्थन मूल्य।

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

आर्थिक सुधार: भारतीय अर्थव्यवस्था पर उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की अवधारणा और प्रभाव। वैश्वीकरण और स्वदेशी/मेक इन इंडिया।
सार्वजनिक क्षेत्र: सार्वजनिक क्षेत्र की भूमिका और समस्याएँ।

इकाई IV

भारत की औद्योगिक नीति, मौद्रिक नीति, राजकोषीय नीति, वाणिज्यिक नीति और विनिमय दर नीति।

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

1. स्वामी एवं गुप्ता, "भारत में आर्थिक पर्यावरण", आरबीडी, जयपुर
2. सुंदरम एंड दत्त, "इंडियन इकोनॉमी" एस चंद एंड संस, नई दिल्ली।
3. ईश्वर सी. ढींगरा, "द इंडियन इकोनॉमी एनवायरनमेंट एंड पॉलिसी", एस चंद एंड संस, नई दिल्ली।
4. माथुर, मिश्रा, व्यास, "भारत में आर्थिक पर्यावरण", आरबीएसए प्रकाशन, जयपुर
5. ए एन अग्रवाल, "इंडियन इकोनॉमी", न्यू इंडिया इंटरनेशनल लिमिटेड, चेन्नई
6. पुरी और मिश्रा, "इंडियन इकोनॉमी", हिमालय पब्लिशिंग हाउस, मुंबई।

पाठ्यक्रम सीखने का परिणाम:

1. यह पाठ्यक्रम छात्रों को भारतीय अर्थव्यवस्था से संबंधित प्रमुख मुद्दों को समझने में मदद करेगा। यह उनके ज्ञान को व्यापक बनाएगा और उन्हें रोजगार प्राप्त करने में वर्तमान आर्थिक नीतियों का विश्लेषण करने में सक्षम बनाएगा।
2. छात्रों में भारतीय अर्थव्यवस्था के समसामयिक मुद्दों, चुनौतियों और उभरते रुझानों का विश्लेषण करने की क्षमता विकसित होगी।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

पाठ्यक्रम: UG0202-बी. कॉम.

सेमेस्टर-V ई.ए.एफ.एम - (2025-26)

प्रकार	पेपर कोड और नामकरण	परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक (मिडटर्म + EoSE)	न्यूनतम अंक (मिडटर्म + EoSE)
थ्योरी	UG0202-EFM-75T-301- व्यावसायिक बजटन	मिडटर्म-1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म-12 अंक EoSE-48 अंक

कार्यक्रम का नाम: चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक
पाठ्यक्रम का शीर्षक: व्यावसायिक बजटन
पेपर कोड: UG0202-EFM-75T-301
सेमेस्टर-V

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
V	UG0202-EFM-75T-301	व्यावसायिक बजटन	7	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	पाठ्यक्रम का वितरण प्रकार		
प्रारंभिक	प्रमुख	व्याख्यान -प्रति सप्ताह छह घंटे, कुल नब्बे घंटे		

परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक
मिडटर्म -1 घंटा EoSE- 3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म -12 अंक EoSE-48 अंक

विस्तृत पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

1. बजटन का अर्थ, उत्पत्ति और महत्व को समझना।
2. सामग्री, श्रम और उपरिव्यय बजट सहित परिचालन बजटों का अध्ययन करना।
3. वित्तीय बजटन विधियों का अन्वेषण करना, विशेषतः नकदी बजट एवं लोचशील बजटन के प्रायोगिक अनुप्रयोग।
4. सरकारी और व्यावसायिक संदर्भों में निष्पादन बजटन की अवधारणा, विकास और अनुप्रयोग का परीक्षण करना।
5. शून्य-आधारित बजटन के सिद्धांत और प्रयोग को समझना; वित्तीय पूर्वानुमान और निवेश निर्णयों का विश्लेषण करना।

इकाई-I

व्यवसायिक बजट और बजटन : बजट और बजटन का अर्थ, प्रकृति, उद्देश्य, लाभ और सीमाएं। बजट शब्दावली, बजट को तैयार करना, बजट समन्वय, प्रभावी बजटन के आवश्यक तत्व।
बजट के प्रकार: स्थिर और लोचशील बजट, वित्तीय बजट, मास्टर बजट, बिक्री बजट, उत्पादन बजट, उत्पादन लागत बजट, प्रत्यक्ष सामग्री बजट, प्रत्यक्ष श्रम बजट और उपरिव्यय बजट।

इकाई-II

नकद बजटन : नकद बजट का अर्थ, महत्व और रूप। नकद बजट को तैयार करना। नकद बजट तैयार करने की विधियाँ।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

बजटरी नियंत्रण: बजटरी नियंत्रण का अर्थ, विशेषताएँ, उद्देश्य और लाभ; बजटरी नियंत्रण बनाम प्रमाप लागत लेखांकन - सामग्री विचरण, श्रम विचरण, उपरिव्यय विचरण और बिक्री विचरण।

इकाई-III

व्यवसायिक पूर्वानुमान: व्यवसायिक पूर्वानुमान का अर्थ, सिद्धांत, महत्व और सीमाएँ। व्यवसायिक पूर्वानुमान की तकनीकें और उपकरण। व्यवसायिक पूर्वानुमान के आवश्यक तत्व।

निष्पादन बजटन : अर्थ, विशेषताएँ, निष्पादन बजटन की प्रक्रिया, निष्पादन बजटन के लाभ और सीमाएँ।

शून्य आधारित बजटन: शून्य आधारित बजटन की अवधारणा, प्रक्रिया, शून्य आधारित बजटन के लाभ और सीमाएँ।

इकाई-IV

उत्पाद और उत्पादन निर्णय: उत्पाद का अर्थ, उत्पाद निर्णय क्षेत्र, वैकल्पिक उत्पादन सुविधाओं का उपयोग, उत्पादन के लाभप्रद स्तर का निर्धारण, पूर्ण उत्पादन क्षमता का उपयोग। मौजूदा उत्पाद के स्थान पर नए उत्पाद की शुरुआत। प्रमुख कारक के आधार पर उत्पाद मिश्रण का निर्धारण।

परियोजना नियोजन और व्यवहार्यता अध्ययन: परियोजनाओं के प्रकार, परियोजनाओं का विश्लेषण, परियोजनाओं की लाभप्रदता का आंकलन, आर्थिक, वित्तीय और तकनीकी व्यवहार्यता।

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ

1. व्यावसायिक बजटन: एम.आर. अग्रवाल
2. व्यावसायिक बजटन: अग्रवाल, विजय, सुरोलिया
3. व्यावसायिक बजटन: ओसवाल, टंडन, शर्मा, चिरानिया
4. व्यावसायिक बजटन: ओसवाल, शर्मा

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम

1. निगमित योजनाओं के लिए उपकरण के रूप में बजटन का विश्लेषण करने की क्षमता; विभिन्न अंतरालों पर सरकारी और व्यापार बजटों की रचना और संगठन करने का समर्थन।
2. उत्तम बजट का विकास करने और उत्तम बजट को कुल व्यापार योजना में एकीकृत करने की क्षमता।
3. नकद बजट तैयार करने में परिपक्वता; मास्टर बजट और मानव संसाधन बजटन की भूमिका को समझना।
4. निष्पादन बजट को तैयार करने के चरणों को लागू करने की क्षमता; और विशिष्ट क्षेत्रों में निष्पादन बजट की सफलता और सीमाओं का विश्लेषण करना।
5. शून्य-आधारित बजटन को लागू करने की क्षमता; और निर्णय लेने के लिए प्रबंधन रिपोर्टें तैयार करना।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

पाठ्यक्रम: UG0202-बी. कॉम.

सेमेस्टर-VI ई.ए.एफ.एम - (2025-26)

प्रकार	पेपर कोड और नामकरण	परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक (मिडटर्म + EoSE)	न्यूनतम अंक (मिडटर्म + EoSE)
थ्योरी	UG0202-EFM-76T-302- राजस्थान की अर्थव्यवस्था	मिडटर्म-1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म-12 अंक EoSE-48 अंक

कार्यक्रम का नाम: चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक
पाठ्यक्रम का शीर्षक: राजस्थान की अर्थव्यवस्था
पेपर कोड: UG0202-EFM-76T-302
सेमेस्टर-VI

<table>
<tr><th>सेमेस्टर</th><th colspan="2">पाठ्यक्रम का कोड</th><th>पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक</th><th>NHEQF स्तर</th><th>क्रेडिट</th></tr>
<tr><td>VI</td><td colspan="2">UG0202-EFM-76T-302</td><td>राजस्थान की अर्थव्यवस्था</td><td>7</td><td>6</td></tr>
<tr><td>पाठ्यक्रम का स्तर</td><td colspan="2">पाठ्यक्रम का प्रकार</td><td colspan="3">पाठ्यक्रम का वितरण प्रकार</td></tr>
<tr><td>प्रारंभिक</td><td colspan="2">प्रमुख</td><td colspan="3">व्याख्यान -प्रति सप्ताह छह घंटे, कुल नब्बे घंटे</td></tr>
<tr><td colspan="2">परीक्षा की अवधि</td><td colspan="2">अधिकतम अंक</td><td colspan="2">न्यूनतम अंक</td></tr>
<tr><td colspan="2">मिडटर्म -1 घंटा
EoSE- 3 घंटे</td><td colspan="2">मिडटर्म-30 अंक
EoSE-120 अंक</td><td colspan="2">मिडटर्म -12 अंक
EoSE-48 अंक</td></tr>
</table>

विस्तृत पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

1. भारतीय अर्थव्यवस्था में राजस्थान की मौलिक विशेषताएँ और स्थिति को समझना, जिसमें भौगोलिक स्थिति जनसांख्यिकीय, और व्यावसायिक संरचना शामिल है।
2. राजस्थान में जनसंख्या वृद्धि के कारणों का अध्ययन करना और जनसंख्या नियंत्रण के लिए सरकारी उपायों का अध्ययन करना साथ ही मानव संसाधन विकास की पहल।
3. राजस्थान के प्राकृतिक संसाधनों का अध्ययन करना, जिसमें भूमि, जल, पशुपालन, वन्यजीव और खनिज संसाधन शामिल है, खासकर कृषि विकास और भूमि सुधारों पर ध्यान केंद्रित करना।
4. राजस्थान में औद्योगिक क्षेत्र का अध्ययन करना, विशेषकर लघु उद्योगों की भूमिका, उनकी समस्याएँ, और पर्यटन विकास।
5. राजस्थान में गरीबी, बेरोजगारी, आर्थिक सुधार, और प्रमुख विकास परियोजनाओं का अध्ययन करना, साथ ही सार्वजनिक-निजी साझेदारी मॉडल।

इकाई-I

राजस्थान की अर्थव्यवस्था की मौलिक विशेषताएँ, भारतीय अर्थव्यवस्था में राजस्थान की स्थिति। राजस्थान की भौगोलिक स्थिति, जनसांख्यिकीय, और व्यावसायिक संरचना। राजस्थान में निम्न साक्षरता दर के कारण। राजस्थान में जनसंख्या वृद्धि के मुख्य कारण। जनसंख्या नियंत्रण के लिए सरकारी उपाय। राजस्थान में मानव संसाधन विकास।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

इकाई-II

प्राकृतिक संसाधन: भूमि, जल, पशुधन और वन्यजीव। राजस्थान में खनिज संपदा का अवलोकन,
प्रमुख खनिज, उत्पादन और आर्थिक प्रभाव, खनन नीतियां और विनियमन खनन के पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभाव।

राजस्थान में कृषि - महत्त्व, भूमि उपयोग, फसल पैटर्न और राजस्थान में प्रमुख फसलें। सिंचाई और जल प्रबंधन, प्रमुख परियोजनाएं और चुनौतियां, कृषि नीतियां और योजनाएं, पंचवर्षीय योजनाओं के दौरान कृषि विकास, राजस्थान में भूमि सुधार।

इकाई-III

राजस्थान में औद्योगिकीकरण - ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, प्रमुख विशेषताएं, राजस्थान में प्रमुख उद्योग - वस्त्र, खनिज, सीमेंट, हस्तशिल्प; औद्योगिक नीतियां और उनका प्रभाव, लघु उद्योगों की भूमिका और महत्व, लघु उद्योगों की मुख्य समस्याएं और सुधार के सुझाव, एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों) की भूमिका, औद्योगिक क्लस्टर और विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZs)।

राजस्थान में पर्यटन विकास, राजस्थान में पर्यटन की मुख्य विशेषताएं, राजस्थान की अर्थव्यवस्था में पर्यटन की भूमिका, प्रमुख पर्यटन स्थल और उनका आर्थिक प्रभाव, पर्यटन संवर्धन के लिए सरकारी नीतियां, पर्यटन क्षेत्र में चुनौतियां और अवसर।

इकाई-IV

राजस्थान में गरीबी और बेरोजगारी, इसके कारण और उपाय। रोजगार सृजन कार्यक्रम और कौशल विकास पहल। आर्थिक विकास में क्षेत्रीय असमानताएं, क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने के लिए सरकारी पहल। राजस्थान में आर्थिक सुधार। राजस्थान में वृद्धि, विकास और नियोजन। राजस्थान की महत्वपूर्ण विकास परियोजनायेँ। सार्वजनिक-निजी साझेदारी मॉडल।

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ

1. एल.एन. नाथुरामका, राजस्थान की अर्थव्यवस्था
2. राजस्थान सरकार: राजस्थान का आर्थिक सर्वेक्षण (नवीनतम)
3. राजस्थान सरकार: राजस्थान की मौलिक सांख्यिकी (नवीनतम)
4. राजस्थान सरकार: राजस्थान का सांख्यिकीय सार (नवीनतम)
5. राजस्थान सरकार: पंचवर्षीय योजना दस्तावेज
6. जी एस भाटिया, राजस्थान की अर्थव्यवस्था

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम

1. राजस्थान की आर्थिक व्यवस्था और जन-सांख्यिकीय विशेषताओं का विश्लेषण करने की क्षमता, और निम्न साक्षरता दरों में योगदान करने वाले कारकों की पहचान।
2. राजस्थान में जनसंख्या की गतिविधियों को समझना और जनसंख्या नियंत्रण और मानव पूंजी विकास के लिए उपायों की जानकारी।
3. प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग का मूल्यांकन करने में प्रवीणता और राजस्थान में कृषि दृष्टिकोण और सुधारों को समझने की क्षमता।
4. औद्योगिक गतिविधियों के ज्ञान, लघु उद्योगों में आने वाली चुनौतियां और राजस्थान में पर्यटन उद्योग की विशेषताओं को समझने में प्रवीणता।
5. राजस्थान में सामाजिक-आर्थिक मुद्दों सुधारों और विकास पहलों का मूल्यांकन करने की क्षमता और स्थायी विकास के लिए समाधान प्रस्तुत करने की क्षमता।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR